CHAPTER 13

काले मेघा पानी दे

PAGE 104, अभ्यास - पाठ के साथ

12:1:13:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के साथ:1
लोगों ने लड़कों की टोली को मेढक-मंडली नाम किस आधार पर दिया? यह टोली अपने आपको इंदर सेना कहकर क्यों बुलाती थी?

उत्तर: गाँव के कुछ लोगों को किशोर लड़कों के नग्न शरीर, उछल-कूद, शोर और सड़क पर कीचड़ के कारण चिढ़ थी। वे इन सभी बातों को अंधविश्वास मानते थे और इसीलिए उन्होंने इस समूह को मेंढक कहा- मण्डली का नाम दिया गया था। हालांकि यह समूह खुद को "इंद्र सेना" कहता था। ये बच्चे भगवान इंद्र से वर्षा करने के लिए इकट्ठा होते थे और विनती करते थे। बच्चों का मानना था कि वे इंद्र की सेना के सैनिक थे और वे मिट्टी से पानी मांगते हैं, इसलिए इंद्र बादलों का सम्मान करते हुए सारा पानी मुझे दे देते हैं।

12:1:13:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के साथ:2

जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया?

उत्तर: लेखक की जीजी ने इन्दर सेना पर पानी फेंके जाने के समर्थन में निम्नलिखित तर्क दिए:

(क) किसी से कुछ पाने के लिए पहले चढ़ावा देना पड़ता है ।इंद्र देव को पानी का अर्घ्य चढ़ाने से ही वे प्रसन्न होकर वर्षा के माध्यम से पानी देंगे ।

(ख) वही दान फलीभूत होता है जो त्याग-भावना से दिया गया हो।जिस वस्तु की अधिक आवश्यकता है,उसके दान से ही फल मिलता है ।

(ग) किसान जिस तरह फसल उगाने के लिए धरती को अपने सबसे अच्छे बीजों का दान कर बुआई करता है, वैसे ही पानी वाले बादलों से प्रचुर पानी पाने के लिए इन्दर सेना पर पानी डाल कर पानी की बुआई की जाती है ।

12:1:13:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के साथ:3

पानी दे, गुड़धानी दे मेघों से पानी के साथ-साथ गुड़धानी की

माँग क्यों की जा रही है?

उत्तर: गुड़धानी एक खाद्य पदार्थ है जो गुड़ और अनाज के मिश्रण से बनाया जाता है। बच्चे बादलों के साथ-साथ गुरुधनी से पानी मांगते हैं। पानी से प्यास बुझती है, साथ ही अच्छी बारिश से ईख और धान पैदा होता है, यहाँ "गुड़धानी" का मतलब है गन्ना और अनाज। गाँव की अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है, जो वर्षा पर निर्भर है। जब अच्छी बारिश होती है तभीअच्छी फसल होगी और फिर लोग झूमेंगे, इसलिए मैं अपने साथ गुड्डे भी मांग रहा हूं।

12:1:13:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के साथ:4

गगरी फूटी बैल पियासा इंदर सेना के इस खेलगीत में बैलों के प्यासा रहने की बात क्यों मुखरित हुई है?

उत्तर: "गागरी फूटी बैल पियासा" इन्दर सेना के खेलगीत में,खासकर इस पंक्ति में बैल को प्रमुखता दी गई है । बैल हमारी कृषि संस्कृति का अविभाजित हिस्सा हैं, या यूं कहें कि बैल भारतीय कृषि प्रणाली और संस्कृति की रीढ़ हैं। खेतों की जुताई करके बैल उपज को फलदायी बनाता है। यदि वे प्यासे

हैं, तो न केवल कृषि पृथ्वी के जीवन को प्रभावित करेगी।

12:1:13:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के साथ:5

इंदर सेना सबसे पहले गंगा मैया की जय क्यों बोलती है? नदियों का भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश में क्या महत्त्व है?

उत्तर: भारतीय समाज में गंगा एक नदी नहीं अपितु माँ है,यह पूजनीय है,भारत के इतिहास में गंगा का धार्मिक,पौराणिक और सांस्कृतिक महत्त्व है ।उसमे पानी नहीं अमृत तुल्य जल प्रवाहित होता है और गंगा ने तो न जाने कितनी सभ्यताओं और संस्कृतियों को अपने आगे उभरते और गिरते देखा है ।जल में सर्वोत्तम गंगा जल है और इन्ही कारणों से इन्दर सेना सबसे पहले गंगा मैया की जय ही बोलती है ।

12:1:13:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के साथ:6

रिश्तों में हमारी भावना-शक्ति का बँट जाना विश्वासों के जंगल में सत्य की राह खोजती हमारी बुद्धि की शक्ति को कमज़ोर करती है। पाठ में जीजी के प्रति लेखक की भावना के

संदर्भ में इस कथन के औचित्य की समीक्षा कीजिए।

उत्तर: जीवन की कई सच्चाइयाँ आत्मा में छिपी हैं, बहुतों से पता चलता है। यह जीजी और लेखक के बीच संबंधों का सबसे महत्वपूर्ण पहलू था। इस ग्रन्थ के अनुसार, लेखक धर्मवीर भारती से बहुत प्यार करता है और वह कई धार्मिक कृत्यों का आयोजन करता है, जिन्हें लेखक अंधविश्वास मानते हैं। लेखक उन तर्कों में कटौती नहीं करता है। यह कथन बिल्कुल सत्य है कि रिश्ते में हमारी इंद्रिय-शक्ति विभाजित हो जाती है और इस तरह से बुद्धि की शक्ति कमजोर हो जाती है। बुद्धि शुष्क है और तर्क पर आधारित है, लेकिन भावना में तर्क का कोई स्थान नहीं है, फिर विश्वास प्रमुख है।

PAGE 104, अभ्यास - पाठ के आसपास

12:1:13:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के आसपास:1
क्या इंदर सेना आज के युवा वर्ग का प्रेरणास्रोत हो सकती है? क्या आपके स्मृति-कोश में ऐसा कोई अनुभव है जब युवाओं ने संगठित होकर समाजोपयोगी रचनात्मक कार्य किया हो,

उल्लेख करें।

उत्तर: सेना अंदर सामूहिक प्रयास का प्रतिनिधित्व करती है क्योंकि यह सामूहिक प्रयास है जो किसी भी समस्या को हल करने की क्षमता रखता है। अंदर की सेना निस्संदेह आज के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हो सकती है। स्वतंत्रता संग्राम, जेपी आंदोलन, बड़े आंदोलनों जैसे बड़े पेड़ों को बचाने के सभी आंदोलन युवाओं की सामूहिक शक्ति के बल पर ही सफल हुए हैं। आज भी, अगर युवाओं का निर्माण एक ऐसी "सेना के अंदर" के साथ होता है, यदि आप ठीक से काम करते हैं, तो अशिक्षा, आतंकवाद, महिला अत्याचार जैसी समस्याओं को जल्द ही समाप्त किया जा सकता है।

12:1:13:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के आसपास:2

तकनीकी विकास के दौर में भी भारत की अर्थव्यवस्था कृषि पर निर्भर है। कृषि-समाज में चैत्र, वैशाख सभी माह बहुत महत्त्वपूर्ण हैं पर आषाढ़ का चढ़ना उनमें उल्लास क्यों भर देता है?

उत्तर: भारत की अर्थव्यवस्था हमेशा कृषि पर निर्भर रही है और आगे रही है क्योंकि अगर हम तकनीकी विकास के बावजूद कृषि में मजबूत हैं, तो इसे कैसे भूल सकते हैं? हां, यह और बात है कि अगर उन तकनीकों का कृषि में उपयोग किया जाता है, तो हम हमेशा के लिए अनाज के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादक बने रहेंगे।

कृषि प्रधान समाज में सभी महीने महत्वपूर्ण होते हैं, लेकिन आषाढ़ की चढ़ाई उन्हें भर देती है क्योंकि इस महीने को वर्षा ऋतु का प्रतीक माना जाता है। यह महीना किसानों को अच्छी फसल की उम्मीद देता है। एक ही महीने में अधिकतम वर्षा भी होती है। अच्छी बारिश अच्छी फसल दे सकती है और यही कारण है कि जैसे ही आषाढ़ की शुरुआत होती है, किसानों में बारिश की उम्मीद, अच्छी फसल और खुशी की उम्मीद बढ़ने लगती है।

12:1:13:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के आसपास:3

पाठ के संदर्भ में इसी पुस्तक में दी गई निराला की कविता बादल-राग पर विचार कीजिए और बताइए कि आपके जीवन में बादलों की क्या भूमिका है?

उत्तर: कवि निराला की कविता "बादल-राग" क्रांति के प्रतीक के रूप में बादलों को दर्शाती है। बादल शोषकों द्वारा शोषित वर्गों को मुक्त करते हैं और उन्हें उनका अधिकार देते हैं। उसी तरह, बादल हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बादल भी एक नई क्रांति की तरह आते हैं। जलती हुई प्यास पृथ्वी की प्यास बुझाती है और पृथ्वी पर नए निर्माण में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रकृति और मानव दोनों ही बादलों पर निर्भर हैं।

12:1:13:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के आसपास:5

त्याग तो वह होता..... उसी का फल मिलता है। अपने जीवन के किसी प्रसंग से इस सूक्ति की सार्थकता समझाइए।

उत्तर:

(क) पर्यावरण से सम्बंधित अन्य संकट निम्नलिखित हैं:

(ख) तेजी से बढ़ता धरती का तापमान

(ग) भूमि का बंजर होना

(घ) वर्षा की कमी

(ङ) बाढ़ का प्रकोप

(च) सुखाड़ पड़ना

(छ) उद्योगों और वाहनों द्वारा बढ़ता वायु-प्रदूषण

(ज) कल-कारखानों और वाहनों से बढ़ता जल-प्रदूषण ।